DR. SUMAN LAL RAY
Assistant professor
(Guest faculty)
Deptt. of Sanskrit
SRAP college, Bara
chakia, BRABU-
Muz. Pur

B.A. (Hons.), part — II
Subject — SANSKRIT
Paper — IV

7×2 = 14 marks

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथमोऽङ्कः)

संस्कृत श्लोकों का अन्वय सहित हिन्दी में अनुवाद

15

श्लोकः

कुल्याम्भोभिः पवनचपलैः शाखिनो धौतमूला
भिन्नो रागः किसलयरुचामाज्यधूमोद्गमेन ।
एते चार्वागुपवनभुवि च्छिन्नदर्भाङ्कुरायां
नष्टाशङ्का हरिणशिशवो मन्दं मन्दं चरन्ति ॥
(अभिज्ञान० 1/15)

अन्वयः

पवनचपलैः कुल्याम्भोभिः शाखिनः धौतमूलाः किसलयरुचां रागः आज्यधूमोद्गमेन भिन्नः अर्वाक् च एते नष्टशङ्काः हरिणशिशवः छिन्नदर्भाङ्कुरायां उपवनभुवि मन्दं मन्दं चरन्ति।

अनुवाद

वायु से चन्चल कृत्रिम क्यारियों में जल से भरे हुए वृक्षों की जड़ें धुल गयी हैं। अग्निहोत्र के आज्यधूम से वृक्षों के कोमल पल्लवों के रंग भी धूमिल हो गये हैं और छोटे-छोटे हरिणों के बच्चे निर्भय होकर कुशाओं के उखाड़ लेने से निष्कण्टक हुए उपवन के भूभाग में घूम-फिर रहे हैं।

— ० —